राष्ट्रीय बाल विज्ञान कॉन्ग्रेस शुरू

चर्चा में क्यों?

8 दिसंबर, 2022 को राष्ट्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं संचार परिषद, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की ओर से प्रायोजित एवं साइंस फॉर सोसाइटी, झारखंड की ओर से आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कॉन्ग्रेस का राज्य के डीपीएस बोकारो में शुभारंभ हुआ।

प्रमुख बिंदु

- कार्यक्रम के पहले दिन राज्य के 13 विभिन्न ज़िलों से पहुँचे 100 से अधिक बाल वैज्ञानिक प्रतिभागियों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया।
- पहले दिन निर्णायक मंडली के सदस्यों के लिये उन्मुखीकरण कार्यक्रम (ओरिएंटेशन प्रोग्राम) हुआ, जिसमें सोसाइटी के पदाधिकारियों ने निर्णायकों को बाल विज्ञान कॉन्ग्रेस की विषय-वस्तु 'स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिये पारिस्थितिकी तंत्र को समझना' के साथ प्रोजेक्ट के मूल्यांकन, इससे संबंधित मापदंडों, विभिन्न तकनीकी पहलुओं एवं उसके आधार पर प्रतिभागियों के चयन के संदर्भ में जानकारी दी।
- झारखंड साइंस फॉर सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. अली इमाम खान ने बताया कि सोसाइटी तत्कालीन बिहार के समय से ही वर्ष 1993 से बाल विज्ञान कॉन्ग्रेस का आयोजन कर रही है। इसका उद्देश्य बच्चों में शोध की प्रवृत्ति का विकास कर उनमें वैज्ञानिक चेतना जागृत करना तथा बच्चों को स्कूली शिक्षा के पारंपरिक दायरे से अलग हटकर नवाचार के साथ शोध में शामिल करना है।
- उन्होंने बताया कि बाल विज्ञान कॉन्ग्रेस में सर्वे और प्रयोग के आधार पर रिसर्च एक्टिविटी केंद्र में होती है। इसमें स्कूल की बाध्यता नहीं है। इसमें शहरी, ग्रामीण, सीनियर व जूनियर, चार समूहों में आयोजित विज्ञान कॉन्ग्रेस में स्कूल से बाहर के बच्चे भी अपने नवोन्मेषी प्रोजेक्ट के साथ शामिल होते हैं। यहाँ आयोजित हो रहे राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में से लगभग 15 सफल प्रतिभागी विभिन्न वर्गों में राष्ट्रीय स्तर के लिये चयनित होंगे।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/national-childrens-science-congress